	District	Transmitter type	Location
		VLPT	Ghandyal
			Kaljikhal
			Naugaonkhal
		Transposer	Srinagar
4.	Dehradun (5)	HPT	Mussoori (DD-1)
			Mussoori (DD-2)
		LPT	Dak Pathar
		VLPT	Saahiya
		Transposer	Mussorie
5.	Nainital (2)	LPT	Haldwani
			Nainital
6.	Pithoragarh (4)	LPT	Pithoragarh
		VLPT	Dharchula
			Didihat
			-Munsiari
7.	Tehri Garhwal (4)	LPT	New Tehri
		VLPT	Devprayag
			Gajja
			Pratapnagar
8.	Uttarkashi (3)	VLPT	Bhatiari
			Rajgarhi
			Uttarkashi
9.	Champawat (2)	LPT	Champawat
			VLPT Maneshwar
10.	Bageshwar (1)	VLPT	Bageshwar
11.	Rudraprayag (2)	VLPT	Rudraprayag
			Okhimath
12.	Udham Singh Nagar (2)	LPT	Kashipur
			Tanakpur

Modernisation of Doordarshan Centres

@*107. SHRI B.J. PANDA: Will the Minister INFORMATION AND BROADCASTING be pleased to state:

@Starred Question Nos 101 and 107 were taken together.

(a) whether steps have been taken by Government to modernise the Doordarshan Centres in the country;

(b) if so, the details thereof;

(c) the steps taken in this regard in Orissa during Eighth and Ninth Plan period;

(d) the various modernisation programmes pending in Orissa and other States; and

(e) the details thereof?

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF INFORMATION AND BROADCASTING AND MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF LAW, JUSTICE AND COMPANY AFFAIRS (SHRI ARUN JAITLEY): (a) to (e) A statement is laid on the table of the House.

Statement

(a) and (b) It has been the constant endeavour of Doordarshan to modernise and upgrade its various facilities. Some of the specific projects commissioned/ completed by Doordarshan to modernise its facilities during 9th Plan are as follows:

(i) New modern studios at Mumnai, Nagpur and Rajkot.

(ii) Degital satellite uplink facilities for uplinking of its various channels such as DD-I, DD-II, DD-News, DD-Sports and DD-International.

(iii) Simulcast uplinking facilities both in digital and analog at DDK Calcutta, Hyderabad, Trivandrum, Bangalore, Guwahati, Chennai and Mumbai.

(iv) New automation facility at DDK, Delhi.

In addition, state of the art equipment have been provided to a number of Kendras and some old transmitters have also been replaced by new transmitters of higher power.

(c) to (e) In the state of Orissa, Studio at Bhubaneswar equipped with modern equipment was commissioned during 8th Plan period and, thereafter, facilities at the station have been augmented from time to time. Additional studio equipment is envisaged to be provided Bhubaneswar studio, as part of 9th Plan Besides, LPT at Baleshwar have been upgraded to 10 KW HPT, 10 KW HPT with 150 M tower is under installation at Sambalpur (inreplacement of 1 KW transmitter) and a 1 KW transmitter at Berhampur (in replacement of present LPT). Also, the present LPTs Bargarh, Rajgangapur and Joda in Orissa are envisaged to be replaced by 500W Transmitters.

Upgradation/replacement of 111 transmitters and 2 studios, besides various schemes relating to the provision of additional studio equipment, are under implementation in various parts of the country, including Orissa. State-wise details are given in the enclosed Table.

Table

Details of Studios and Transmitters being Upgraded/Replaced in various States

Name of States	Modernisation of studio	Replacement/ of old HPT	Upgradation of DD HPTs	LPTs to HPTs	VLPT LPT/HPT	LPT up - gradation (100W to 500W)	VLPT/Trans Upgradation (100W to 500W)
1	2	3	4	5	6	7	8
Andhra Pradesh	—	—	Rajamundry (1KW to 10KW)	Warangal	—	—	Vijaywada
Assam	—	Silchar	—	Silchar (DD2)		—	Hojai Guwahati
Bihar	Ranchi	Katihar	— —	Jamshedpur Patna (DD2)	—	Darbhanga Dhanbad Bokaro Saraikela Siwan Sikandra Munger Buxer	—
Goa	—	Panaji	—	Panji (DD2)	—	—	—
Gujarat	—	—	—	Surat Vadodara	—	—	—
Himachal Pradesh	—	—	—	Simla (DD2)	—	—	Kharapathar Parwanoo
J&K	—	Jammu Poonch	—	Naushera	Samba(HPT) Kupwara(HPT) Gurej(HPT) Tithwal(HPT) Udhampur(LPT)	—	Mulbekh Phalgaon Dras Thanmandi Kargil

1	2	3	4	5	6	7	8
							Budhal Uri Baramulla
Kernataka	—	—	—	Hassan Mangalore Mysore Raichur	—	Dandeli	—
Kerala	—	Trivandrum	Calicut (1KW to 10KW)	Cochin(DD2) Cannanore Trivandrum (DD2)	—		Thodupuzha
Madhya Pradesh	—	—	—	Ambikapur Guna Shahdol Bhopal (DD2)	—	Nagda	—
Maharashtra	—	—	—	Chandrapur Jalgaon Ratnagiri Nagpur (DD2)	—	—	Karanja Kurkhera
Manipur	—	—	—	—	Churachandpur	—	—
Meghalaya	—	—	—	—	—	Shillong	—
Orissa	—	—	Sambalpur (1KW to 10 KW)	Sambalpu (DD2) Berhampur	—	Bargarh Joda Rajgangpur	—
Punjab	—	—	Fazilka (1KW to 10KW) Amritsar (10KW to 20KW)	—	—	—	—

1	2	3	4	5	6	7	8
Rajsthan	—	—	Barmer (1KW to 10KW)	Ajmer Jaipur (DD2)	—	Alwar	Sikrai
Tamilnadu	—	—	—	Kumbakonam	—	Nagercoil Udhagamandalam Tuticorin	—
Tripura	—	Agartala	—	Agartala(DD2)	—	Telimura	Dharmanagar
Uttar Pradesh	—	Allahabad	—	Banda Lakhimpur Lucknow (DD2)	Gopeswar (LPT)	Sultanpur Rae Bareilly Deoria Faizabad Gaurigani	—
West Bengal	—	Calcutta Asansol Murshidabad	—	Balurghat Kharagpur Krishnanagar Shantiniketan Murshidabad (DD2)	Jhalda (LPT)	Bisnupur Malda Kalna	—
Delhi	Delhi	—	—	—	—	—	—
Pondicherry	—	—	—	Pondicherry	—	—	—
Chandigarh	—	—	—	—	—	Chandigarh	—

श्री मनोहर कान्त ध्यानी: माननीय सभापति जी, माननीय मंत्री जी ने इस प्रश्न के उत्तर में जो विवरण दिया है उसके संबंध में मैं आप के माध्यम से मंत्री जी के ध्यान में लाना चाहता हूं कि 1962 से पहले अल्मोड़ा, पौड़ी और टिहरी, ये तीन बड़े जिले थे और 1962 को उनको 6 जिलों में विभाजित कर दिया गया। ये जो दो जिले हैं इनमें अभी प्रसारण केन्द्रों की जो संख्या है वह अल्मोड़ा में 9 है, चमोली में 14 है और टिहरी और उत्तरकाशी में कुल मिलाकर 5 है। तो मैं माननीय मंत्री जी से जानना चाहता हूं कि इस प्रकार की उपेक्षा जो टिहरी वाले क्षेत्र की है वह क्यों है? मैं मंत्री जी से यह भी जानना चाहता हूं कि जैसे कश्मीर में वहां की विशेष परिस्थितियों को देखते हुए वहां के लिए प्रशासन ने अलग से व्यवस्था की है क्या मंत्री जी उसी तरह से उत्तरांचल के उन क्षेत्रों के लिए, जिनकी सीमा चीन से मिलती है जैसे टिहरी और उत्तरकाशी, क्या इन जिलों में प्रसारण केन्द्रों की संख्या बढ़ाने के लिए कोई व्यवस्था करेंगे?

श्री अरुण जेटली: सभापति जी, जहां तक उत्तरांचल क्षेत्र का संबंध है, वहां 44 ट्रांसमीटर अभी चल रहे हैं। इसके अतिरिक्त 10 अन्य ट्रांसमीटर हैं जिनकी योनजाओं को लागू किया जा रहा है, जिनमें से पौड़ी में एक की व्यवस्था है और अगले एक-डेढ़ वर्ष तक इनको लागू करने के लिए प्रयास किया जा रहा है।

श्री मनोहर कान्त ध्यानी: महोदय, मेरा प्रश्न टिहरी और उत्तरकाशी के बारे में है क्योंकि जो अल्प संख्या है वह टिहरी और उत्तरकाशी में है। इसलिए मैं माननीय मंत्री जी से चाहूंगा कि- दो-तीन बार मैंने आग्रह भी किया है चन्द्रवदनी, चमराड़ा और मोरी में तीन केन्द्र खोलने के बारे में-तो क्या वे इन तीन केंन्द्रों को बनाने का आश्वसन देंगे? अगर वे ऐसा करेंगे तो उन क्षेत्रों का बड़ा भला होगा।

श्री अरुण जेटली: सहानुभूतिपूर्वक इन क्षेत्रों के संबंध में भी विचार होगा। लेकिन साधनों का भी अभाव है। यहां पर जैसा कि बताया गया 44 ट्रांसमीटर अभी हैं और 10 अन्य लगाए जा रहे हैं। अभी तक की योजना में तो इस क्षेत्र के लिए प्रावधान नहीं है लेकिन जो आगे योजनायें बननी है उनमें इन क्षेत्रों के बारे में निश्चितरूप से विचार किया जाएगा।

SHRI B.J. PANDA: Sir,...

MR. CHAIRMAN: No, no. Question no. 107 will be taken up separetely.

श्री राजीव शुक्ल: चेयरमैन साहब, मैं आपके माध्यम से मंत्री जी से पूछना चाहूंगा कि जो यह पर्वतीय अंचल है, जिसके बारे में ध्यानी जी ने सवाल किया है वहां पर केबल नेटवर्क बिल्कुल नहीं है। यह वहां बड़ी मुश्किल से लग पाता है क्योंकि वहां कि ज्योग्राफिकल कंडीशंस ऐसी हैं। इसलिए मैं जानना चाहता हूं कि वहां पर ट्रांसमिशन नेट वर्क को स्ट्रांग करने के लिए उनके दिमाग

में क्या योजना है? जिस प्रकार से यह कश्मीर में सक्सेसफुल हुआ है और वह भी हिली रीजन है, तो मैं जानना चाहता हूं कि क्या इस क्षेत्र के लिए भी उनके पास अलग से कोई इसी तरह की योजना है?

श्री अरुण जेटली: जहां तक पर्वतीय क्षेत्र का सवाल है, ऐसे कई प्रांत हैं जिनमें पर्वतीय क्षेत्र आते हैं। कुछ पर्वतीय प्रांत नहीं हैं लेकिन उन प्रांतों में भी पर्वतीय क्षेत्र आते हैं। जहां तक उत्तरांचल के 12 जिलों का सवाल है अभी तक वहां ट्रांसमिशन 74.8 प्रतिशत पापुलेशन तक पहुंच चुका है। अब जो वहां पर 10 ट्रांसमिशन और लगेंगे उससे इसका फैलाव और अधिक होगा। इस प्रकार की योजनायें विशेषरूप से पर्वतीय क्षेत्रों के लिए हम लोग बना रहे हैं। यह कश्मीर के संबंध में बन चुकी है जो लागू की जा रही है। पूर्व उत्तर के क्षेत्रों के संबंध में बनाने का प्रयास किया जा रहा है। निश्चितरूप से पर्वतीय क्षेत्रों को प्रिफरेंस मिलना चाहिए क्योंकि केबल में तकलीफ है। पहाड़ी इलाकों में केबल लगा पाना कठिन रहता है और अपनी योजनाओं में इसको हम मद्देनजर रख रहे हैं।

श्री एस. एस. अहलुवालिया: सभापति महोदय, अभी अभी मंत्री महोदय ने अपने जवाब में बताया कि 44 क्षेत्रीय ट्रांसमिशन लगे हुए हैं और इन 44 क्षेत्रीय ट्रांसमिशन के साथ साथ क्षेत्रीय भाषाओं में भी ट्रांसमिशन लगे हुए हैं, क्षेत्रीय भाषाओं के चैनल्स सैपरेट सैपरेट बन रहे हैं। क्या मंत्री महोदय इस सदन को बताने की कृपा करेंगे कि जो हमारी मान्यता प्राप्त क्षेत्रीय भाषाएं हैं, उन में से किन किन क्षेत्रीय भाषाओं में चैनल हैं? जहां तक मैं जानता हूं पंजाबी का चैनल अभी तक चालू नहीं हुआ है, उसके बारे में आपका विभाग क्या सोच रहा है?

MR. CHAIRMAN: This question does not arise out of the main question. Question No. 101 relates to hilly areas of Uttar Pradesh. That is why we are neither taking Question No. 107 nor this supplementary of Shri Ahluwalia with this question.

श्री कृपाल परमार: सभापति महोदय, हिमाचल प्रदेश जिसका अधिकांश क्षेत्र पर्वतीय क्षेत्र है, उसके अंदर अभी तक भी बहुत से क्षेत्र ऐसे हैं जहां पर दूरदर्शन के चैनल विधिवत् रूप से या सुचारू रूप से काम नहीं करते हैं। मैं मंत्री महोदय से यह जानना चाहता हूं कि इस पर्वतीय क्षेत्र हिमाचल प्रदेश में इन चैनलों को लोगों तक पहुंचाने के लिए आपके विभाग की क्या योजना है और क्या हिमाचल प्रदेश में एक और दूरदर्शन केन्द्र शुरू करने की कोई योजना है, अगर है तो कब तक और अगर नहीं है तो क्यों?

श्री अरुण जेटली: सभापति महोदय, हिमाचल प्रदेश में शिमला में एक दूरदर्शन केन्द्र है। जितने भी प्रान्त हैं उनमें जो गैर हिन्दी प्रान्त हैं वहां पर लगभग साढ़े पांच घंटे नेशनल चैनल के

ऊपर वहां की स्थानीय भाषाओं के अंदर प्रसारण होता है। कुछ प्रान्तों में उससे अधिक भी होता है। इसके अतिरिक्त कई क्षेत्रों में जिनका फैलाव बाहर तक भी है 24 घंटे के क्षेत्रीय भाषाओं के चैनल भी हैं। जहां तक हिन्दी भाषी प्रान्तों का संबंध है वहां पर जो प्रसारण नेशनल चैनल के ऊपर होता है उसका समय आजकल ढाई घंटे के करीब है। हिमाचल प्रदेश में शिमला दूरदर्शन केन्द्र है लेकिन वहां पर उसका प्रसारण अभी तक लगभग आधा घंटे के करीब हो रहा है। कभी कभी एक घंटा भी होता है। मैं कुछ सप्ताह पहले हिमाचल प्रदेश गया था। वहां पर लोगों ने भी प्रस्ताव रखा कि इसको बढ़ाने की आवश्यकता है। मैं इससे सहमत हूं और यह सुझाव मैंने प्रसार भारती के अधिकारियों को पहुंचा दिया है।

श्री सुरेश पचौरी: माननीय मंत्री जी सदन की घड़ी के अनुसार उत्तर नहीं दे रहे हैं। सदन की घड़ी में अभी 11 नहीं बजे हैं।

श्री सभापति: सदन की घड़ियां ठप हो गई हैं। सारी बिल्डिंग की घड़ियां बंद हो गई हैं। समय बंद नहीं हुआ है, समय चल रहा है।

Contract for development of Ratna and R-Series discovered oil fields

*102. SHRI AMAR SINGH: Will the Minister of PETROLEUM AND NATURAL GAS be pleased to state:

(a) whether it is a fact that the contract for the development of Ratna and R-Series discovered oil fields was awarded in favour of consortium of Essar Oil Ltd., Premier Oil Ltd. and ONGC in November, 1996;

(b) whether it is also a fact that no progress has been made towards the finalisation of Production Sharing Contract with this consortium despite the fact that more than 3½ years have passed since the award of contract;

(c) if so, the reason therefor;

(d) whether Government propose to cancel this award; and

(e) if so, when and if not, the reasons therefor?

THE MINISTER OF PETROLEUM AND NATURAL GAS (SHRI RAM NAIK) (a) The Ratna and R-Series field was awarded to the consortium of Essar Oil Ltd. and Preimier Oil Plc., U.K. in March 1996. ONGC has 40% participating interest in the development of the field in accordance with the terms of Notice Inviting Offers (NIO).